IJETIR

ISSN (Online) 2583-0554

International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)

Volume 4, Issue 12, December 2024

Impact Factor: 5.731

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा प्रस्तावित शिक्षक प्रशिक्षण सुधार: उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन की दिशा में एक विश्लेषण

भूपेन्द्र कुमार पाण्डेय[1] डॉ. सरिता करड़वाल[2]

[1]शोधार्थी [2]शोध निर्देशक

विभाग शिक्षा

एन.आई.आई.एल.एम विश्वविद्यालय, कैथल (हरियाणा)

सारांश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) ने भारत में शिक्षक प्रशिक्षण के क्षेत्र में व्यापक सुधारों की रूपरेखा प्रस्तुत की है। यह नीति शिक्षक शिक्षा को व्यावसायिक, समावेशी और नवाचारी बनाने पर बल देती है। यह शोध पत्र NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित शिक्षक प्रशिक्षण सुधारों का विश्लेषण करता है और यह मूल्यांकन करता है कि ये सुधार उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन के लिए किस प्रकार सहायक हो सकते हैं। शोध में शिक्षक शिक्षा संस्थानों की भूमिका, चार वर्षीय समेकित बी.एड. कार्यक्रम, सतत व्यावसायिक विकास, और राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा ढांचा जैसी पहलों पर चर्चा की गई है।

मुख्य संकेतक: - राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, शिक्षक प्रशिक्षण, उच्च शिक्षा, गुणवत्ता संवर्धन।

परिचय

शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है, और शिक्षक उस शिक्षा व्यवस्था के प्रमुख स्तंभ होते हैं। किसी राष्ट्र की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रगति सीधे तौर पर उस राष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता और उसमें संलग्न शिक्षकों की दक्षता पर निर्भर करती है। इसी परिप्रेक्ष्य में, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 में प्रस्तुत राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) को शिक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। यह नीति न केवल शैक्षिक ढांचे में परिवर्तन की बात करती है, बल्कि विशेष रूप से शिक्षक प्रशिक्षण को सुदृढ़ और प्रभावशाली बनाने की दिशा में भी ठोस सुझाव प्रस्तुत करती है।

NEP 2020 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि "शिक्षक शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन किए बिना शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार नहीं किया जा सकता" (शिक्षा मंत्रालय, 2020)। यह नीति शिक्षक प्रशिक्षण को पेशेवर, आधुनिक,

Copyright to IJETIR

समावेशी और नवाचार-सक्षम बनाने का लक्ष्य रखती है। नीति के अनुसार, वर्ष 2030 तक शिक्षक बनने के लिए चार वर्षीय समेकित बी.एड. कार्यक्रम अनिवार्य कर दिया जाएगा, जिसमें विषय ज्ञान, शिक्षण कौशल, मूल्य शिक्षा और व्यावहारिक अनुभव का एक समन्वित ढांचा प्रस्तुत किया गया है (NCTE, 2021)। यह बदलाव इस विचार पर आधारित है कि शिक्षक तैयार करने की प्रक्रिया को उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ जोड़कर गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन तैयार किया जा सके।

इसके अतिरिक्त, नीति में प्रस्तावित राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (NPST) की स्थापना का उद्देश्य शिक्षकों की न्यूनतम योग्यताओं, नैतिक आचार संहिताओं, और सतत व्यावसायिक विकास को सुनिश्चित करना है (Joshi, 2021)। यह कदम शिक्षक की भूमिका को केवल 'ज्ञान प्रदाता' के रूप में सीमित न रखते हुए उसे एक फैसिलिटेटर, प्रेरक और नेता के रूप में पुनर्परिभाषित करता है। NEP 2020 यह भी सुनिश्चित करता है कि डिजिटल युग में शिक्षक शिक्षा का लाभ हर कोने तक पहुंचे। इसके लिए DIKSHA, SWAYAM, और NISHTHA जैसे प्लेटफार्मों को सशक्त बनाने का प्रस्ताव है (मिश्रा, 2021)। ये डिजिटल माध्यम न केवल प्रशिक्षण को लचीला और सुलभ बनाते हैं, बल्कि शिक्षकों को समय के साथ अद्यतन भी करते रहते हैं।

नीति का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि सभी स्वतंत्र शिक्षक शिक्षा संस्थानों को बहु-विषयक उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ जोड़ा जाएगा, जिससे शिक्षक प्रशिक्षण एक अलग-थलग प्रक्रिया न होकर शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बन सके (बत्रा, 2022)। यह दृष्टिकोण शिक्षक को एक एकीकृत और अंतःविषय दृष्टिकोण अपनाने हेतु प्रोत्साहित करता है।

इन सभी प्रयासों का मूल उद्देश्य उच्च शिक्षा में शिक्षा की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मानकों तक पहुँचाना है। जब शिक्षक उच्च स्तर की प्रशिक्षण व्यवस्था से गुजरते हैं, तो वे विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे गुण विकसित करने में सक्षम होते हैं। इस प्रकार NEP 2020 के तहत शिक्षक प्रशिक्षण में प्रस्तावित सुधार न केवल शिक्षकों की गुणवत्ता में वृद्धि करते हैं, बल्कि यह भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली को समावेशी, नवाचारी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाने में भी सहायक सिद्ध होते हैं।

शिक्षक प्रशिक्षण में प्रस्तावित मुख्य सुधार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) ने भारत की शिक्षा प्रणाली को व्यापक दृष्टिकोण से पुनर्गठित करने का प्रयास किया है, जिसमें शिक्षक प्रशिक्षण को केंद्र में रखा गया है। यह नीति स्पष्ट रूप से स्वीकार करती है कि किसी भी शिक्षा प्रणाली की सफलता उस प्रणाली में कार्यरत शिक्षकों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है।

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 4, Issue 12, December 2024
Impact Factor: 5.731

इसलिए, NEP 2020 के अंतर्गत शिक्षक प्रशिक्षण को एक पेशेवर और सशक्त प्रक्रिया के रूप में विकसित करने के लिए कई महत्त्वपूर्ण सुधार प्रस्तावित किए गए हैं।

सबसे प्रमुख सुधार यह है कि वर्ष 2030 तक शिक्षक बनने के लिए चार वर्षीय समेकित बी.एड. (B.Ed.) डिग्री को अनिवार्य किया जाएगा। यह कार्यक्रम विषय-वस्तु ज्ञान, शिक्षण कौशल, मूल्य-शिक्षा, और स्कूल आधारित प्रशिक्षण का समन्वय प्रस्तुत करता है। इस सुधार का उद्देश्य शिक्षक तैयार करने की प्रक्रिया को अधिक व्यावसायिक और व्यावहारिक बनाना है। यह कोर्स राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (NCTE) द्वारा मान्य होगा और उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ एकीकृत रूप से संचालित किया जाएगा, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षक तैयार किए जा सकें।

दूसरा महत्त्वपूर्ण सुधार राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (National Professional Standards for Teachers – NPST) की स्थापना है। इसके अंतर्गत शिक्षक की योग्यता, दक्षता, नैतिकता, पेशेवर आचरण और सतत व्यावसायिक विकास के मापदंड तय किए जाएंगे। यह मानक शिक्षकों की पदोन्नति, वेतनवृद्धि और आत्म-मूल्यांकन के लिए आधारभूत रूप से कार्य करेगा। यह पहल भारत में शिक्षक की भूमिका को केवल ज्ञान हस्तांतरणकर्ता से बढ़ाकर मार्गदर्शक और नवप्रवर्तनकर्ता के रूप में पुनर्परिभाषित करती है।

इसके अतिरिक्त, शिक्षक प्रशिक्षण के डिजिटलीकरण पर भी विशेष बल दिया गया है। नीति में DIKSHA, SWAYAM, और NISHTHA जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सशक्त बनाने की बात कही गई है। इससे देश के दूर-दराज़ और संसाधन-वंचित क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण पहुंचाना संभव होगा। यह कदम डिजिटल समावेशिता और सतत अधिगम की दिशा में महत्त्वपूर्ण है।

एक अन्य उल्लेखनीय सुधार यह है कि सभी स्टैंड-अलोन शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों को बहुविषयक उच्च शिक्षा संस्थानों में एकीकृत किया जाएगा। इससे शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार होगा और वे शोध एवं नवाचार में भी सहभागिता कर सकेंगे। यह शिक्षकों को एक व्यापक और अंतःविषय दृष्टिकोण अपनाने हेतु सक्षम बनाएगा।

नीति में शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास (Continuous Professional Development – *CPD)* पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रत्येक शिक्षक को नियमित अंतराल पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेना होगा, जिससे वे नई शिक्षण तकनीकों, शैक्षिक नवाचारों, मूल्यांकन विधियों और बाल मनोविज्ञान में अद्यतन बने रहें।

इन सभी सुधारों का मूल उद्देश्य एक ऐसी शिक्षक शिक्षा प्रणाली विकसित करना है, जो समावेशी, नवाचारी और वैश्विक मानकों के अनुरूप हो। ये सुधार न केवल शिक्षक के रूप में एक पेशे को सशक्त करते हैं, बल्कि यह उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यार्थी की सीखने की प्रक्रिया और सम्पूर्ण शिक्षा प्रणाली की

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 4, Issue 12, December 2024
Impact Factor: 5.731

प्रभावशीलता को भी नई ऊँचाइयों पर ले जाते हैं। NEP 2020 द्वारा प्रस्तुत ये सुधार शिक्षक प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी कदम हैं जो भारतीय शिक्षा प्रणाली को भविष्य के लिए तैयार करते हैं।

1. चार वर्षीय समेकित बी.एड. कार्यक्रम

NEP 2020 के अनुसार वर्ष 2030 तक सभी शिक्षकों को चार वर्षीय समेकित बी.एड. कोर्स पूरा करना अनिवार्य होगा। यह कार्यक्रम विषय ज्ञान के साथ-साथ शिक्षण कौशल और नैतिक मूल्यों का भी विकास करेगा।

2. शिक्षक शिक्षा संस्थानों का पुनर्गठन

सभी स्टैंड-अलोन टीचर ट्रेनिंग कॉलेजों को उच्च शिक्षा संस्थानों के अंतर्गत एकीकृत किया जाएगा, जिससे गुणवत्ता नियंत्रण और मानकीकरण सुनिश्चित किया जा सके।

3. राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (NPST)

नेशनल प्रोफेशनल स्टैंडर्ड्स फॉर टीचर्स (NPST) के माध्यम से शिक्षकों के लिए न्यूनतम योग्यता, आचार संहिता, और निरंतर व्यावसायिक विकास को निर्धारित किया जाएगा।

4. टेक्नोलॉजी का समावेश

DIKSHA, SWAYAM, और NISHTHA जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण को प्रोत्साहित किया जाएगा।

5. सतत व्यावसायिक विकास

शिक्षकों को हर वर्ष एक न्यूनतम संख्या में प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेना अनिवार्य होगा, जिससे उन्हें नई शिक्षण विधियों, मूल्यांकन तकनीकों, और विषयगत नवाचारों की जानकारी मिल सके।

गुणवत्ता संवर्धन में शिक्षक प्रशिक्षण का योगदान

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) का मूल उद्देश्य भारतीय शिक्षा प्रणाली को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी, नवाचारी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना है। इस नीति में शिक्षक प्रशिक्षण को एक केंद्रीय भूमिका प्रदान की गई है, क्योंकि किसी भी शैक्षिक प्रणाली की गुणवत्ता का निर्धारण उस प्रणाली में कार्यरत शिक्षकों की गुणवत्ता से ही होता है। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि शिक्षकों का प्रशिक्षण न केवल विषय ज्ञान तक सीमित हो, बल्कि वह शिक्षण की पद्धति, मूल्य शिक्षा, नवाचार, और डिजिटल दक्षता जैसे विविध पहलुओं को भी समाहित करे।

NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित चार वर्षीय समेकित बी.एड. कार्यक्रम शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता को एक नई दिशा प्रदान करता है। यह कार्यक्रम बहु-विषयक शिक्षा को बढ़ावा देते हुए शिक्षकों को न केवल अकादमिक

रूप से सक्षम बनाता है, बल्कि उन्हें सामाजिक, नैतिक और व्यावसायिक दृष्टि से भी सशक्त करता है। जब शिक्षक इन बहुआयामी प्रशिक्षणों से गुजरते हैं, तो वे कक्षा में विविध प्रकार के छात्रों की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं और उन्हें प्रभावी ढंग से शिक्षा प्रदान कर पाते हैं। इस प्रकार, शिक्षक प्रशिक्षण का यह समेकित ढांचा शिक्षा की गुणवत्ता को व्यापक रूप से प्रभावित करता है।

इसके अतिरिक्त, नीति में प्रस्तावित *राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (NPST)* शिक्षकों की योग्यता, आचरण और निरंतर व्यावसायिक विकास के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करता है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि शिक्षक लगातार अपनी दक्षताओं को अद्यतन करते रहें और बदलते शैक्षणिक परिवेश के अनुरूप स्वयं को ढाल सकें। उच्च शिक्षा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर पर विद्यार्थियों की अपेक्षाएँ अधिक विश्लेषणात्मक, नवाचारी और शोध-आधारित होती हैं, जिनका समाधान प्रशिक्षित शिक्षक ही कर सकते हैं।

NEP 2020 में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स जैसे DIKSHA, SWAYAM और NISHTHA को शिक्षक प्रशिक्षण का अभिन्न अंग बनाया गया है। ये प्लेटफॉर्म शिक्षकों को कहीं भी, कभी भी, लचीले और नवीन तरीकों से सीखने की सुविधा प्रदान करते हैं। इससे न केवल शहरी क्षेत्रों में, बल्कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षकों तक भी गुणवत्ता युक्त प्रशिक्षण पहुँचाया जा सकता है। इससे उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को तकनीकी और व्यावहारिक दृष्टिकोण से अधिक सक्षम बनाया जा सकता है।

शिक्षक शिक्षा संस्थानों का बहु-विषयक विश्वविद्यालयों में एकीकरण भी गुणवत्ता संवर्धन की दिशा में एक उल्लेखनीय प्रयास है। इससे शिक्षक प्रशिक्षण में अंतःविषय दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलेगा, जिससे शिक्षक विभिन्न विषयों और कौशलों को एकीकृत कर पठन-पाठन को समृद्ध बना सकेंगे। इससे उच्च शिक्षा में रटंत प्रणाली की बजाय आलोचनात्मक सोच, समस्या समाधान और नवाचार पर बल दिया जाएगा।

इस प्रकार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा प्रस्तावित शिक्षक प्रशिक्षण सुधार उच्च शिक्षा में न केवल शिक्षण की गुणवत्ता में वृद्धि करते हैं, बल्कि यह छात्रों के समग्र विकास, संस्थागत गुणवत्ता मूल्यांकन, और वैश्विक मानकों की ओर बढ़ने की प्रक्रिया में एक सशक्त आधार बनाते हैं। यदि इन सुधारों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, तो भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली को नई ऊँचाइयाँ प्राप्त हो सकती हैं।

NEP 2020 के इन सुधारों के माध्यम से निम्नलिखित गुणवत्ता संवर्धन के पहलू उभरते हैं: -

1. **शिक्षा में नवाचार:** शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।
2. **सीखने के परिणामों में सुधार:** शिक्षकों की गुणवत्ता में वृद्धि से छात्र परिणामों में सुधार सुनिश्चित होगा।

3. **समावेशिता और समानता:** नीति का उद्देश्य सभी पृष्ठभूमियों से आने वाले छात्रों को समान अवसर प्रदान करना है।

4. **वैश्विक मानकों की ओर अग्रसरता:** भारतीय शिक्षक शिक्षा प्रणाली को वैश्विक मानकों के अनुरूप लाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

चुनौतियाँ और समाधान

1. संसाधनों की कमी

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षित शिक्षक और तकनीकी साधनों की कमी एक प्रमुख चुनौती है।

समाधान: केंद्र और राज्य सरकारों के संयुक्त प्रयास से वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करना आवश्यक है।

2. प्रशिक्षण की गुणवत्ता

सभी प्रशिक्षण संस्थानों में एक समान गुणवत्ता बनाए रखना कठिन है।

समाधान: NPST और NCTE जैसी संस्थाओं को निगरानी और मानकीकरण की शक्तियों को मजबूत करना होगा।

निष्कर्ष

NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित शिक्षक प्रशिक्षण सुधार भारत के उच्च शिक्षा तंत्र को सशक्त बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह नीति न केवल शिक्षकों की पेशेवर क्षमता को बढ़ाती है, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता को भी नई ऊँचाइयों पर ले जाती है। यदि इन सुधारों को प्रभावी रूप से लागू किया जाए, तो यह भारत को वैश्विक शिक्षा मंच पर प्रतिस्पर्धात्मक रूप से सशक्त बना सकता है।

संदर्भ सूची

1. अग्रवाल, जे.सी. (2021)। आधुनिक शिक्षा का विकास और नियोजन। विकास प्रकाशन।
2. बत्रा, पी. (2022)। "शिक्षक शिक्षा में पाठ्यक्रम एकीकरण।" समकालीन शिक्षा संवाद।
3. भट्ट, के. (2021)। "भारत में शिक्षक प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म।" एजुकेशन टाइम्स।
4. दीक्षा पोर्टल अवलोकन। (2022)। शिक्षा मंत्रालय।
5. गुप्ता, वी. (2020)। "एनईपी 2020 को लागू करने में चुनौतियाँ।" एडुक्वेस्ट।

6. जैन, ए. (2021)। "निरंतर व्यावसायिक विकास की भूमिका।" जर्नल ऑफ़ स्कूल लीडरशिप।
7. जोशी, एम. (2021)। "शिक्षकों के लिए व्यावसायिक मानक।" यूनिवर्सिटी न्यूज़, एआईयू।
8. कुमार, ए. (2023)। "एनईपी 2020 और भारतीय शिक्षा का भविष्य।" भारतीय अकादमिक।
9. कुमार, आर. (2021)। "एनईपी 2020 का उच्च शिक्षा पर प्रभाव।" जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड प्रैक्टिस।
10. मेहरोत्रा, एस. (2022)। "शिक्षक शिक्षा में समानता।" भारतीय शैक्षिक समीक्षा।
11. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार। (2020)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020।
12. मिश्रा, एस. (2021)। "एनईपी 2020 के बाद उच्च शिक्षा की पुनर्कल्पना।" उच्च शिक्षा समीक्षा।
13. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई)। (2021)। शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम रूपरेखा।
14. निष्ठा प्रशिक्षण मॉड्यूल (2022)। एनसीईआरटी।
15. रेड्डी, एल. (2021)। शिक्षक गुणवत्ता और शैक्षिक समानता। ओरिएंट ब्लैकस्वान।
16. शर्मा, ए. (2022)। "भारत में शिक्षक शिक्षा में परिवर्तन: एक एनईपी 2020 परिप्रेक्ष्य।" भारतीय शिक्षक शिक्षा पत्रिका।
17. श्रीवास्तव, आर. (2020)। "शिक्षक प्रशिक्षण में प्रौद्योगिकी।" अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी पत्रिका।
18. यूनेस्को। (2021)। वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट: 21वीं सदी के शिक्षक।
19. वर्मा, पी. (2022)। शिक्षक प्रशिक्षण में नई दिशाएँ। सेज प्रकाशन।
20. विश्व बैंक (2020)। विश्व विकास रिपोर्ट: शिक्षा और विकास।